[श्री देवेन्द्र नाथ द्विवेदी]

होता रहा डंडे से छुरे से और इतने पत्थर फेंके गए कि सारे शीशे टूट गए। महिलाएं उस डिब्बे से भाग कर दूसरे कंपार्टमेंट में चली गईं। एक कंपार्टमेंट में 25-25 महिलाएं अंदर से बंद कर के उसमें बैठी रहीं, और फिर हाकी और डंडा और भद्दी-भद्दी गालियां से बुरे ढंग से आक्रमण किया गया। सार्वजनिक सम्पत्ति का नुकसान किया गया, लोगों को चोटें आई और ये सारी बातें घंटों तक होती रहीं। वहां पुलिस का पता नहीं, वहां रेलवे प्रशासन के कर्मचारियों का पता नहीं। कई सौ लोग घटना को देखते रहे जो गाड़ी पर चल रहा था। एकदम असहाय स्थिति में सब लोग देखते रहे। कानून और व्यवस्था का कही नामोनिशान नहीं था और घंटों यह घटना चलती रही, स्त्रियां रोती रहीं कुरान पढ़ने लगीं और अल्लाह से दुआ करने लगीं कि किसी तरह से जान बचाओ। उस के बाद दो-तीन बुजुर्ग लोग आए, हाथ-पैर जोड़े और याचना की और इतना करने के बाद कुछ लोग वहां से हटे। इस बीच कई दरवाजे तोड़ दिए गए। उसके बाद उन लोगों ने टेलीफोन किया दानापुर में जाकर और आरा में आ कर पुलिस ने संरक्षण देने का प्रयास किया लेकिन उस के बाद कोई कार्यवाही नहीं की गई।

मान्यवर, मैं सिर्फ निवेदन करना चाहूंगा, यह एक ऐसी गंभीर घटना है जिसकी कि तत्काल एक उच्च-स्तरीय जांच होनी चाहिए न केवल इसलिए कि इसका एक सम्मानित सदस्य से संबंध है बल्कि यह आए रोज की घटना है, नित्य-प्रति उत्तरी भारत में यह हो रहा है, कोई दिन ऐसा नहीं जा रहा है जिस दिन कि ट्रेन में डकैती न होती हो, चोरी न होती हो और हमारे देश में रेलवे प्रशासन अब नाम मात्र का रह गया है। यह यह एक गंभीर घटना है जिसकी ओर मैं सदन का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं और मैं कहना चाहूंगा यद्यपि स्पेशल मेन्शन में यह प्राविजन नहीं है लेकिन मैं चाहूंगा इस संबंध में कम से कम सरकार के किसी भी जिम्मेदार प्रतिनिधि के द्वारा यह आश्वासन दिया जाए कि इस घटना की जांच की जाएगी और इसमें जो भी दोषी हैं उन को दंडित किया जाएगा और सदन को आश्वासन दिया जाए कि इस संबंध में सरकार क्या करने जा रही है?

माननीय सदस्या भी यहां बैठी हुई हैं। आप कहें तो वह कुछ बतला सकती हैं इस संबंध में।

श्रीमती अजीजा इमाम (बिहार): आप की इजाजत हो तो मैं भी एक मिनट में वाक्या बतला दूं।

श्री उपसभापति: नहीं।

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री शिव नारायण): सर, मैंने आनरेबिल मेम्बर से कह दिया था, श्रीमती अजीजा इमाम से कि आप लिख कर दे दें। मैं उस की जांच कराउंगा।

REFERENCE TO THE REPORTED DISFIGURING OF THE MARBLE STATUE OF MAHATMA GANDHI AT GAYA

श्री प्रकाश मेहरोत्रा (उत्तर प्रदेश): आदरणीय उपसभापति महोदय, जिस तरह की घटना का वर्णन अभी द्विवेदी जी ने किया इसी तरीके की और इस से ज्यादा खेदप्रद एक घटना का वर्णन कल के समाचार पत्रों में निकला है। वाक्या यह है कि गया में रेलवे कालोनी में महात्मा गांधी की एक मार्बल की स्टेच्यू थी। उस का मुंह कालिख से पोत दिया गया है। मान्यवर, जब से...

DR. (SHRIMATI) SATHIAVANI MUTHU (Tamil Nadu): On a point of order. I wanted your ruling on the point raised by hon'ble Mr. Bhupesh Gupta. He should either withdraw the expression or the expression should be removed from the proceedings of the House. Before giving your ruling you are allowing others

to take up another topic in the House. So I want your ruling. I am waiting for your ruling. Please give the ruling.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The only circumstance in which the Chair can intervene in a matter like this is to see whether the expression used is parliamentary or not. We will see into this and take necessary action. Mr. Prakash Mehrotra.

श्री प्रकाश मेहरोत्रा : मान्यवर, मैं कह रहा था कि जब से जनता सरकार राज में आयी है तब से स्थिति यह है कि पंजाब से ले कर बंगाल तक इस तरीके की कई घटनायें हो चुकी हैं देश में और यह लोग इस के मूक दर्शक बने हुए बैठे हैं। तो एक स्वाभाविक शक यह होता है कि ऐसे तत्व जो इस तरीके के काम कर रहे हैं या तो उनसे इन का तालमेल है या वह सरकार के अंग हैं। दो बातें, मान्यवर, इससे बहुत स्वभाविक सी साबित होती है कि देश में ऐंटी सोशल एक्टिविटीज बहुत बढ़ गयी हैं। और दूसरी बात यह है कि कानून और व्यवस्था दिन प्रति दिन बिगड़ती जा रही है और सरकार का कोई नियंत्रण नहीं रह गया है। मान्यवर, यह लोग जब राज काज सम्हालने गये तो उस के पहले इन लोगों ने गांधी जी की समाधि पर शपथ ली थी और आज उन्हीं गांधी जी के साथ यह हश्र हो रहा है जगह जगह। और मैं मान्यवर, यह बतलाना चाहता हूं कि उन की स्टैच्यू पर कालिख पोत देने से जो काम उन्होंने देश और मानव समाज के साथ किया है वह किसी तरह से भी धूमिल होने वाला नहीं है बल्कि इन कामों से उन के मुंह पर ही कालिख पुत रही है। मेरा आप के द्वारा केन्द्रीय सरकार से अनुरोध है कि वह राज्य सरकारों को इस तरीके के निर्देश दे कि जहां जहां गांधी जी की या अन्य नेताओं की प्रतिमायें हों उन की सुरक्षा की जाय और ला ऐंड आर्डर की व्यवस्था को ठीक रखा जाये।

REFERENCE TO THE REPORTED OUT-BREAK OF TYPHOID IN AN EPIDEMIC FORM IN THE EAST CAMPUS OF THE A.I.I.M.S., NEW DELHI

SHRI GIAN CHAND TOTU (Hima-chal Pradesh): Mr Deputy Chairman,. Sir, I would like to draw the attention of the Minister of Works and Housing, through you, to a news item today in the Times of India. Yesterday there was a Call Attention motion about the pollution of Jamuna water and the hon'ble Minister had said that the water is "safe" and that because of pre-chlorination and post-chlorination the water has become safe. Today there is a news that typhoid has spread out in one of the campuses of the All-India Institute of Medical Sciences. There are two-campuses, one is east and the other is west. There are 12 cases of typhoid in the east section and there is not a single case in the west section. The water supply in the west section is from Haryana while in the east section, where typhoid is spreading, it is from the Corporation's Okhla waterworks. Yesterday the hon. Minister was pleased to bring in the principle of percentages. He was pleased to say that the water supply from Okhla is only 2.6 per cent and, therefore, it is not a hazard to the citizens of Delhi. Sir, I need not remind the wise Minister of the old story about a wise man who, while wanting to cross a stream, was told that at one place the stream was two feet shallow and at another place it was seven feet shallow. That wise man took the average of four and a half feet and went to cross the stream but was drowned. I could understand his thesis if all the water supplied in Delhi was being collected at one place and distributed from that place. I would therefore like to know from the hon. Minister as to how he has used the word "safe" against the reports that this water is polluted and because of that typhoid is spreading in the All-India Institute of Medical Sciences.